SHIKSHA SAMVAD
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
© Shiksha Samvad|Volume-03| Issue-01| September- 2025
Available online at: https://shikshasamvad.com/
DOI:

माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव एवं पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव

डॉ. उत्तरांजलि बिष्ट
एम.एससी.(बॉटनी)ए एम. एड.

सारांश–
माध्यमिक विद्यालय के किशोर वय के छात्रों का शैक्षिक प्रदर्शन अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। यह बालक के जीवन का वह काल है जब वह अत्यधिक आवेगो,दबावों एवं तीव्र गति के शारीरिक परिवर्तनों का सामना करता है। इस अवस्था में बालक की गतिविधियों को परिवार के द्वारा कई दृष्टि से नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है। जिनमें सामाजिक अलगाव व पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति महत्वपूर्ण है। इस शोध अध्ययन में शोधार्थीनी द्वारा पारिवारिक वातावरण में किशोर बालकों के शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार हेतु अभिभावको द्वारा अपनाए जाने वाले उनके सामाजिक अलगाव व पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव देखा गया है। यह शोध उत्तराखंड राज्य के गढ़वाल जनपद में किया गया है। शोध न्यादर्श में माध्यमिक विद्यालय से 512 छात्रों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है। शोध निष्कर्ष में सामाजिक अलगाव व पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति के स्तर का छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के स्तर पर बहु आयामी प्रभाव पाया गया है।

प्रमुख शब्द – *सामाजिक अलगाव, पारिवारिक मूल्यों का अनुपालन, माध्यमिक विद्यालय, शैक्षिक उपलब्धि।*

प्रस्तावना– किशोरावस्था मानव जीवन का ऐसा संवेदनशील एवं जटिल चरण है जब बालक का शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास तेजी से होता है। इस अवस्था में किशोरो को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जिनमें से एक प्रमुख चुनौती है अभिभावकों के दबाव का सामना करना। अभिभावक अपने बालकों से उच्च उम्मीदे रखते हैं और उन पर अपनी अपेक्षाएं थोपते हैं एवं उन्हें एक निश्चित दिशा में मोड़ने का प्रयास करते हैं। इस प्रक्रिया में वें प्रायः अपने बालकों की रुचि एवं इच्छा को नजरअंदाज कर देते हैं। इस दौरान पारिवारिक वातावरण का उनकी सोच, व्यवहार एवं शैक्षिक उपलब्धि पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति का अर्थ है कि बालको से परिवार के मूल्यों, मानकों व व्यवहार का पालन करने की अपेक्षा करना। ये मानक व मूल्य समाज द्वारा निर्धारित होते हैं अथवा अभिभावको के अपने व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित होते हैं। अभिभावक चाहते हैं कि उनके बच्चे इन मानकों के अनुरूप बने। पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन

में शामिल तत्वों में प्रमुख हैं पारिवारिक नियमों में अनुशासन का पालन करना जैसे पढ़ाई व सोने का समय अभिभावकों द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन, पारिवारिक मान्यताओ व परंपराओं का सम्मान, घरेलू कार्यों में सहायता करना, परिवार की सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेना,अभिभावकों की इच्छानुसार मित्रों व सामाजिक संबंधों का चुनाव, अभिभावकों की चिताओं का सम्मान करना एवं उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करना।

सामाजिक अलगाव– पारिवारिक वातावरण में छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि की दृष्टि से सामाजिक अलगाव से तात्पर्य है किशोर छात्रों को उनके सामाजिक संपर्कों एवं संबंधों से अलग कर देना अथवा सीमित कर देना जिससे कि वह अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकें। यह पारिवारिक अपेक्षाओं, शैक्षिक दबाव एवं अनुशासनात्मक नीतियों का परिणाम होता है। पारिवारिक वातावरण में बालकों के सामाजिक अलगाव में सामाजिक संपर्कों में कमी जैसे– दोस्तों, पड़ोसियों एवं सहपाठियों से मिलने के अवसर सीमित करना, सामाजिक गतिविधियों जैसे खेलकूद, पार्टियों या समूह कार्यों में भाग लेने से रोक देना, इंटरनेट,मोबाइल, सोशल मीडिया, ऑनलाइन मनोरंजन के साधनो तक पहुंच सीमित करना एवं बालकों को परिवार व दोस्तों से अलग रखकर अध्ययन के लिए विशेष स्थान में समय आवंटित करना आदि सम्मिलित हैं। संक्षेप में सामाजिक अलगाव बालक के शैक्षिक प्रदर्शन पर अत्यधिक ध्यान देने के कारण सामाजिक गतिविधियों पर प्रतिबंध, बालकों को बाहरी दुनिया से बचाने की अत्यधिक चिंता एवं माता–पिता के अत्यधिक कठोर नियंत्रण को संदर्भित करता है। पारिवारिक वातावरण में सामाजिक एकांत बालक के व्यक्तित्व विकास के साथ–साथ उसके शैक्षिक प्रदर्शन को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है इसलिए यह अति आवश्यक है कि इसे संतुलित तरीके से करना चाहिए।

अध्ययन का महत्व– परिवार बच्चों के लिए पहला सामाजिक वातावरण होता है जो उनके मूल्य,व्यवहारों एवं दृष्टिकोण को आकार देने में अहम भूमिका निभाता है। पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव (Social Isolation) और पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति (conformity), दोनों किशोर छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि को सीधे प्रभावित करती हैं। जहां सामाजिक अलगाव उनके मानसिक और भावात्मक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है,वहीं दूसरी और पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन से उनकी आत्मअनुशासन और जिम्मेदारी का विकास हो सकता है। परंतु परिवार द्वारा इन दोनों पर अत्यधिक ध्यान देने से परिणाम इसके विपरीत भी हो सकते हैं। सामाजिक गतिविधियों का अभाव किशोर बालकों में मानसिक थकान एवं शैक्षिक प्रदर्शन में गिरावट का कारण बन सकता है तो वहीं पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन का अत्यधिक दबाव किशोर बालकों में तनाव,चिंता पैदा कर सकता है,उनकी रचनात्मकता को बाधित कर सकता है एवं विद्रोह की भावना पैदा कर सकता है। इन्हीं तथ्यों के दृष्टिगत शोधार्थी ने इस विषय का चयन अपने शोध अध्ययन हेतु किया है। प्रायः देखा गया है कि इस विषय पर शोध कार्यों का अभाव है। शोधार्थिनी को विश्वास है कि यह विषय माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले पारिवारिक वातावरण के नवीन कारकों पर प्रकाश डाल सकेगा।

समस्या कथन– ''माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव एवं पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव।''

अध्ययन उद्देश्य –1–माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव के प्रभाव का अध्ययन करना।

© Shiksha Samvad| Received: 03 September 2025 | Accepted: 06 September 2025 | Published: 11 September 2025

2–माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण में पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति के प्रभाव का अध्ययन करना।

अध्ययन का परिसीमांकन– यह शोध अध्ययन उत्तराखंड राज्य के गढ़वाल जनपद तक ही सीमित है । इस शोध में गढ़वाल जनपद के माध्यमिक विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं को ही सम्मिलित किया गया है।

शोध प्रविधि– प्रस्तुत शोध में आंकड़ों का संग्रहण सर्वे विधि द्वारा किया गया है।अतः प्रस्तुत शोध की प्रकृति सर्वे शोध की है। सर्वे शोध वर्णनात्मक शोध का ही एक प्रकार है। सर्वे शोध से आशय शोध की उस प्रणाली से होता है जिसमें शोधकर्ता वास्तविक घटनास्थल पर जाकर अपने शोध से संबंधित तथ्यों, घटना विशेष व परिस्थितियों का वैज्ञानिक निरीक्षण करता है। सर्वे विधि का संबंध वर्तमान स्थिति के संबंधों,प्रचलित व्यवहारों, विश्वासों, दृष्टिकोण व अभिव्यक्तियों जो की स्थापित हैं से होता है।

अध्ययन की जनसंख्या– प्रस्तुत शोध अध्ययन उत्तराखंड के गढ़वाल जनपद के माध्यमिक विद्यालय के छात्रों पर किया गया है। अतः गढ़वाल जनपद के माध्यमिक विद्यालय के छात्र एवं छात्राएं प्रस्तुत शोध की जनसंख्या में सम्मिलित हैं।

शोध न्यादर्श– प्रस्तुत शोध में गढ़वाल जनपद से 14 ग्रामीण क्षेत्र के एवं 9 शहरी क्षेत्र के कुल 23 माध्यमिक विद्यालयों से 512 छात्र–छात्राओं का न्यादर्श में चयन किया गया। जिनमें से 282 छात्र एवं 230 छात्राएं थी। न्यादर्श के चयन के लिए न्यादर्शन की असमान स्तरीकृत यादृच्छिक विधि का उपयोग किया गया है।

शोध उपकरण– प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधार्थिनी द्वारा पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव एवं पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति से संबंधित आंकड़ों के संग्रहण हेतु करुणा शंकर मिश्रा द्वारा निर्मित "Home Environment Inventory" का प्रयोग किया गया है। माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के वार्षिक परीक्षा के परिणाम को शैक्षिक उपलब्धि के रूप में परिभाषित किया गया है।

आंकड़ों का सांख्यिकी विश्लेषण– प्रस्तुत शोध में छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि माध्यमिक विद्यालयों के वार्षिक परीक्षा परिणाम के रूप में प्राप्त की गई है एवं उसे तीन वर्गों में विभाजित किया गया है। 30 से 44 प्राप्तांक को निम्न स्तर की शैक्षिक उपलब्धि,45 से 59 प्राप्तांक को औसत स्तर की शैक्षिक उपलब्धि एवं 60 व उससे अधिक प्राप्तांक को उच्च स्तर की शैक्षिक उपलब्धि के रूप में विभाजित किया गया है। इसी प्रकार शोध उपकरण के मैनुअल के निर्देशों के अनुसार छात्र के पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव एवं पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति को निम्न स्तर, औसत स्तर एवं उच्च स्तर में विभाजित किया गया है।

अवधारणा.1– माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव का प्रभाव नहीं है।

सारणी.1– माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव से संबंधित आंकड़ों का विवरण–

© Shiksha Samvad| Received: 03 September 2025 | Accepted: 06 September 2025 | Published: 11 September 2025

आयाम	पारिवारिक वातावरण का स्तर	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि का सतर			योग
			निम्न	**औसत**	**उच्च**	
सामाजिक अलगाव	निम्न	N	71	43	10	124
		%	13.8%	8.4%	2%	24.2%
	औसत	N	164	72	26	262
		%	32%	14.1%	5.1%	51.2%
	उच्च	N	42	47	37	126
		%	8.2%	9.2%	7.2%	24.6%
योग			277	162	73	512

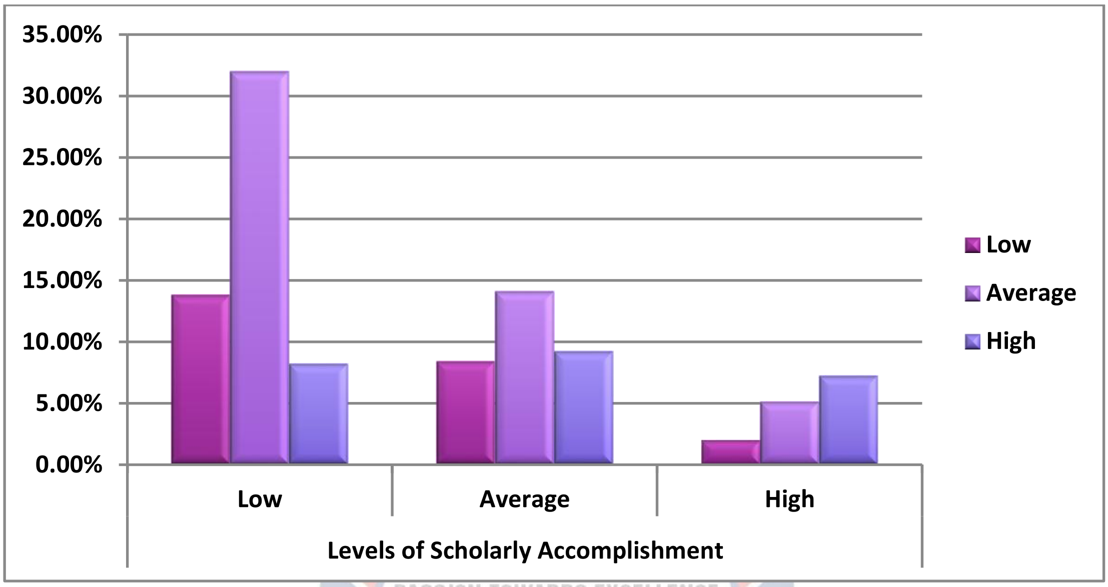

आरेख–1 माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव से संबंधित आंकड़ों का विवरण

उपरोक्त सारणी 1 व आरेख 1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि– पारिवारिक वातावरण के सामाजिक अलगाव के निम्न स्तर के आयाम में, 13.8 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर निम्न है, 8.4 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर औसत है, और 2 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर उच्च है।

औसत सामाजिक अलगाव के संदर्भ में, 32 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर निम्न है, 14.1 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर औसत है, और 5.1 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर उच्च है। पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव का स्तर उच्च होने पर 8.2 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर निम्न है, 9.2 प्रतिशत की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर सामान्य है, और 7.2 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर उच्च है, जब उनके पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव का स्तर उच्च होता है।

स्पष्ट है कि पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव का स्तर छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के स्तर को प्रभावित करता है। जिन परिवारों में छात्रों के लिए सामाजिक अलगाव का स्तर निम्न है उनकी शैक्षिक उपलब्धि निम्न है एवं उच्च शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करने वाले मात्र दो प्रतिशत ही छात्र हैं। औसत सामाजिक अलगाव परिवारों के 32 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न स्तर की है तो मात्र 5 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि ही उच्च है। जिन परिवारों में छात्रों के लिए सामाजिक अलगाव का स्तर उच्च है ऐसे परिवारों के बालकों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर उच्च रहा है। अतः शोधार्थिनी द्वारा बनाई गई अवधारणा ''माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव का प्रभाव नहीं है'' असत्य है। छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के स्तर को पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव का स्तर प्रभावित करता है।

अवधारणा. 2– माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण में पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति का प्रभाव नहीं है।

सारणी. 2– माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं पारिवारिक वातावरण में पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति से संबंधित आंकड़ों का विवरण–

आयाम	पारिवारिक वातावरण का स्तर	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि का सतर			योग
			निम्न	**औसत**	**उच्च**	
पारिवारिक मूल्यों का अनुपालन	निम्न	N	68	32	14	114
		%	13.3%	6.3%	2.7%	22.3%
	औसत	N	160	67	18	245
		%	31.3%	13.1%	3.5%	47.9%
	उच्च	N	49	63	41	153
		%	9.5%	12.3%	8%	29.8%
योग					277	162

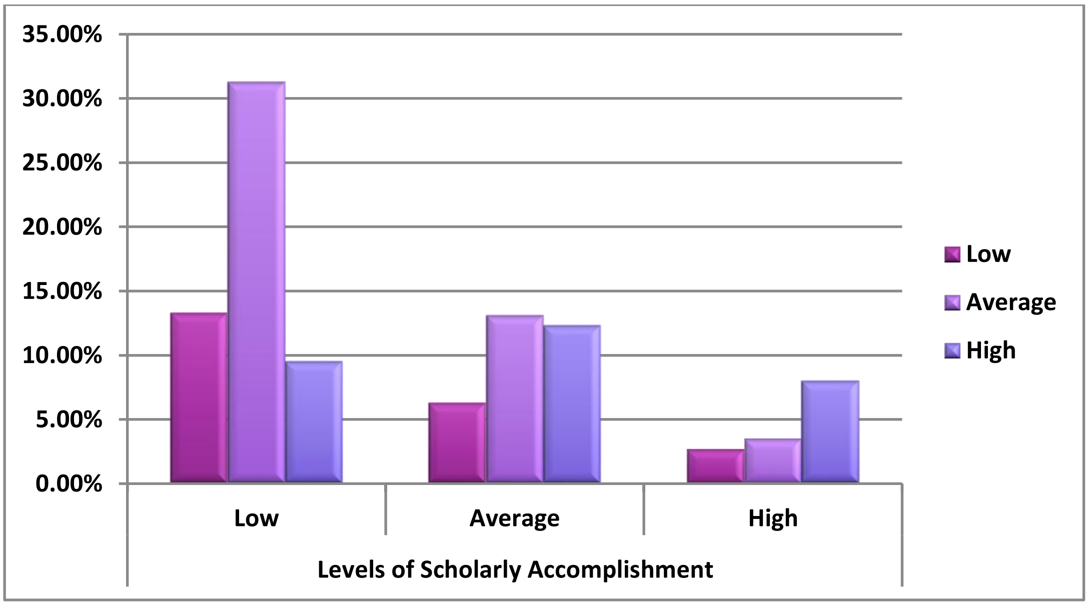

© Shiksha Samvad| Received: 03 September 2025 | Accepted: 06 September 2025 | Published: 11 September 2025

आरेख– 2 माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं पारिवारिक वातावरण में पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति से संबंधित आंकड़ों का विवरण।

उपरोक्त सारणी 2 एवं आरेख 2 के अवलोकन से स्पष्ट हो रहा है कि– पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन के निम्न स्तर के आयाम में 13.3 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर निम्न है, 6.3 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर औसत है, तथा 2.7 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर उच्च है।

पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन के औसत स्तर के आयाम में 31.3 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर निम्न है, 13.1 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर औसत है, तथा 3.5 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर उच्च है।

पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन के उच्च स्तर के आयाम में 9.5 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर निम्न है, 12.3 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर औसत है, तथा 8 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर उच्च है।

स्पष्ट है कि पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन के स्तर का छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ता है। जहां पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन के निम्न स्तर के आयाम में 13 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न थी तो 2.7 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च थी औसत स्तर पर जहां 31.3 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न पाई गई है तो केवल 3.5 प्रतिशत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च है,वहीं उच्च स्तर के पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन में 9. 5 प्रतिशत छात्र ने निम्न शैक्षिक उपलब्धि जबकि 8 प्रतिशत छात्र उच्च शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त की है। अतः शोधार्थीनी द्वारा बनाई गई अवधारणा ''माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण मैं पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति का प्रभाव नहीं है'' असत्य है। पारिवारिक वातावरण में पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन के स्तर का छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ता है।

SHIKSHA SAMVAD PASSION TOWARDS EXCELLENCE

निष्कर्ष– माध्यमिक विद्यालय के छात्र किशोर अवस्था में होते हैं। इस अवस्था में शारीरिक, मानसिक एवं भावात्मक रूप से तीव्र गति से परिवर्तन होते हैं। इसी कारण किशोरावस्था को प्रसिद्ध अमेरिकी मनोवैज्ञानिक स्टेनली हॉल ने। 'तूफान एवं संघर्ष' की अवस्था कहा है। इस अवस्था में अनुभव की जाने वाली भावात्मक अस्थिरता किशोर बालकों में विद्रोह और आत्म–खोज की प्रवृत्ति को बढ़ा देती है। इस अवस्था में बालक के शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार के लिए परिवार में माता–पिता द्वारा अनेक प्रकार के अनुशासन, प्रतिबंधों एवं नियमों द्वारा बालकों की गतिविधियों व व्यवहार को नियंत्रित करने का प्रयत्न किया जाता है। जिसमें सामाजिक अलगाव एवं पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति प्रमुख है। इनका प्रभाव शैक्षिक उपलब्धि पर बहु आयामी होता है। प्रस्तुत शोध के परिणाम भी इसी प्रकार के रहे हैं। जिन परिवारो में बालकों के सामाजिक अलगाव व पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति का स्तर निम्न रहा है। उन परिवारों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न स्तर की सबसे अधिक एवं उच्च स्तर की शैक्षिक उपलब्धि सबसे कम रही है। इस शोध के परिणामों में सबसे अहम तथ्य यह है की औसत स्तर के सामाजिक अलगाव व पारिवारिक मूल्य के अनुपालन की प्रवृत्ति वाले एक तिहाई छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर निम्न रहा है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि उदार प्रकृ ति के सामाजिक अलगाव व पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति का शैक्षिक उपलब्धि के स्तर पर खराब प्रभाव

© Shiksha Samvad| Received: 03 September 2025 | Accepted: 06 September 2025 | Published: 11 September 2025

हुआ है जिस कारण छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न रही है। वहीं उच्च स्तर के सामाजिक अलगाव व पारिवारिक मूल्य के अनुपालन की प्रवृत्ति का शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पाया गया है। संक्षेप में कहा जा सकता है कि परिवार में बालकों के लिए सामाजिक अलगाव का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ता है। यह छात्रों के मानसिक एवं भावात्मक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। परंतु यह अति आवश्यक है कि परिवार द्वारा इनका संतुलित रूप से प्रयोग किया जाना चाहिए क्योंकि इन दोनों का अभाव अथवा अत्यधिक कठिन स्तर किशोर छात्रों में विद्रोह की प्रवृत्ति में वृद्धि, आत्मविश्वास में कमी एवं रचनात्मक को समाप्त कर सकता है।

सन्दर्भ

1. Asikhia O.A. (2010) Students and teachers' perception of the causes of poor academic performance in Ogun state secondary schools Nigeria implications for counseling for national development. European J. Social Sci., 13, 229 – 249.
2. Basant, Elizabath (2008).“Parental beliefs about education and child's development and its relationship with school performance: A Cross cultural study”, Ph. D. Education, University of Calcutta
3. John W. Best and James, V. Khan (2014), Research in Education (Seventh Ed.) New Delhi: Prentice Hall of India Pvt. ltd.
4. Mathur, S.S. (2011): Teacher and Secondary Education. Agra-2: Agarwal Publications.
5. Rohana, K. , Rashidah, Z. N. and Aminuddin (2009): The Quality of Learning Environment and Academic Performance from a students perception. International Journal of Business and Management, vol-4, issue-4, pp-171-175
6. Saha, Kaberi (2012): Statistics in Education and Psychology. New Delhi-2: Asian Books Private Llimited.
7. Vamadavapa, H.V. (2005) “Impact of Parental involvement on Academic Achievement”, Journal of Educational Research and Extension, Vol. 42 (2); 22-34
8. Vasanthi, A. (2010). Leaning environment and academic achievement of higher secondary physics students. Edutracts 10(1), 42-45.
9. Zokaitluangi & Lalhunlawma (2005), “Intelligence and Academic Achievement in Relation to Parent-Child Relationship”, Indian Journal of Psychometry & Education, Vol. 36(1)

Cite this Article:

डॉ. उत्तरांजलि बिष्ट, “माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव एवं पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव। *Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, ISSN: 2584-0983 (Online), Volume 03, Issue 01, pp.76-84, September 2025. Journal URL: https://shikshasamvad.com/*

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

डॉ. उत्तरांजलि बिष्ट

For publication of research paper title

"माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के पारिवारिक वातावरण में सामाजिक अलगाव एवं पारिवारिक मूल्यों के अनुपालन की प्रवृत्ति का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव"

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-03, Issue-01, Month September 2025, Impact-Factor, RPRI-3.87.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://shikshasamvad.com/